

मोलनुपरिवीर : कोवडि -19 हेतु एक औषधि

हाल ही में एक ओरल ड्रग मोलनुपरिवीर (Molnupiravir) के तीसरे चरण के परीक्षण में दावा किया गया है कि यह **कोवडि-19** रोगियों में अस्पताल में भर्ती होने के जोखिम को 50 फीसदी तक कम कर सकती है।

- भारत में ऑप्टमिस ग्रुप ने हाल ही में तीसरे चरण के क्लिनिकल परीक्षणों के परिणामों की घोषणा की, जिसमें पाया गया कि 91.5% रोगियों ने **आरटी-पीसीआर (रिविरस ट्रांसक्रिप्शन पॉलीमरेज चेन रिएक्शन)** का परीक्षण किया, जो नकारात्मक था।

प्रमुख बिंदु

■ मोलनुपरिवीर:

- यह व्यापक स्पेक्ट्रम एंटीवायरल दवाओं के एक वर्ग से संबंधित है जिसे **न्यूक्लियोसाइड एनालॉग्स (Nucleoside Analogues)** कहा जाता है।
- वे वायरल **आरएनए (राइबोन्यूक्लिक एसिड) पॉलीमरेज** के कार्य में हस्तक्षेप करते हैं - जो एंजाइम होते हैं जिनसे संक्रमित कोशिकाओं में नए वायरल आरएनए बनते हैं।
- आरएनए राइबोन्यूक्लियोटाइड्स का एक बहुलक और एक महत्वपूर्ण जैविक मैक्रोमोलेक्यूल है जो सभी जैविक कोशिकाओं में मौजूद होता है।
- यह मुख्य रूप से प्रोटीन के संश्लेषण में शामिल होता है, जो **डीऑक्सीराइबोन्यूक्लिक एसिड (डीएनए)** से संदेशवाहक नरिदेशों को ले जाता है, जिसमें स्वयं जीवन के विकास और रखरखाव के लिए आवश्यक आनुवंशिक नरिदेश होते हैं।
- यह वायरस को अपने स्वयं के आरएनए की प्रतिलिपि बनाते समय त्रुटियों को उत्पन्न करने का काम करता है, जो उत्परिवर्तन को उजागर कर प्रतिकृति को रोकता है।
- शुरु में **इनफ्लुएंजा वायरस** के लिए एक दवा के रूप में इसका आविष्कार किया गया था।

■ क्रियाविधि:

- ये औषधिमानव कोशिकाओं के अंदर वायरस की प्रतिकृति की प्रक्रिया को रोकने का काम करती हैं।
- एक वायरस एक जैविक एजेंट होता है जो एक मेज़बान सेल के अंदर आत्म-प्रतिकृति बना सकता है। वायरस द्वारा संक्रमित कोशिकाएँ असाधारण दर पर मूल वायरस की हज़ारों नई क्लोनिंग तैयार कर सकती हैं।
- यह महत्वपूर्ण एंजाइमों को बदल देता है जो मानव शरीर की कोशिकाओं में प्रतिकृति हेतु वायरस के लिए आवश्यक होते हैं।
- अभी तक औषधि के लिए आपातकालीन उपयोग प्राधिकरण की प्रतीक्षा की जा रही है, लेकिन वर्तमान में 5 दिनों के अंतराल पर दवा की एक खुराक ली जा सकती है।